स्टार्ट-अप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया उद्यमिता विकास हेतु प्रभावी पहल है- प्रो. सोलंकी 2-3-2017

रोहतक, 2 मार्च। भारत को यदि रोजगार-सृजनकत्र्ताओं का देश बनाना है तो उद्यमिता का रास्ता चुनना होगा। उद्यमिता के जरिए न केवल रोजगार सृजन का रास्ता प्रशस्त होगा, बल्कि इससे अर्थ एवं संपत्ति सृजन भी होगा। जरूरत है कि भारत में अनुकूल स्टार्ट-अप संस्कृति विकसित की जाए। हरियाणा के राज्यपाल एवं महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (मदवि) के कुलाधिपति प्रोफेसर कप्तान सिंह सोलंकी ने आज ये उद्गार महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के प्रबंध अध्ययन एवं शोध संस्थान (इमसॉर) के तत्वावधान में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि अपने संबोधन में व्यक्त किए। स्टार्ट अप इंडिया रेसिपी फॉर इनक्लूसिव एन्त्रोप्रोनियरशिप एण्ड इन्नोवेशन: इस्यूज एण्ड चैलेंज्स विषय पर इस दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

राज्यपाल-कुलाधिपति प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी ने अपने संबोधन में कहा कि आज के वैश्विक परिदृश्य में किसी भी राष्ट्र की अर्थव्यवस्थाके विकास में उद्यमिता की विशेष भूमिका है। उन्होंने कहा कि भारत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रारंभ किया गया स्टार्ट-अप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया कार्यक्रम उद्यमिता विकास हेतु प्रभावी पहल है। प्रो. सोलंकी ने कहा कि उद्यमिता विकास से समाज में आर्थिक विषमताओं को भी दूर किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि नव-उद्यमियों द्वारा स्थापित फ्लिपकार्ट, स्वैपडील तथा जौमेटो जैसी कंपनियों ने स्टार्ट अप का माहौल भारत में बनाया है। उन्होंने इमसॉर एवं मदवि को ऐसे प्रासंगिक विषय पर संगोष्ठी आयोजित किए जाने के लिए बधाई दी।

इससे पूर्व, मदवि के कुलपति प्रो. बिजेन्द्र कुमार पूनिया ने स्वागत भाषण दिया। कुलपति प्रो. पूनिया ने पिछले एक वर्ष में मदवि की प्रगति यात्रा का विशेष उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि एन्त्रोप्रोनियरशिप स्वरोजगार का सशक्त माध्यम है। कुलपति ने कहा कि एन्त्रोप्रोनियरशिप तथा इन्नोवेशन के समावेश से आर्थिक विकास तथा भविष्योन्मुखी भारत का सपना पूरा होगा।

इस अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता हैवर्थ कालेज ऑफ बिजनैस, वेस्टर्न मिशीगन यूनिवर्सिटी, यूएसए के प्रोफेसर डा. दामोदर गोलहर ने उद्यमिता क्षेत्र के विभिन्न आयामों एवं चुनौतियों पर केन्द्रित विचारोत्तेजक भाषण दिया। प्रो. दामोदर गोलहर ने कहा कि भारत में उद्यमिता की संस्कृति एवं प्रथा पहले से मौजूद है। उन्होंने इस संबंध में जमशेद जी टाटा, घनश्याम दास बिरला, धीरू भाई अंबानी, अजीज प्रेमजी, नंदन निलेकेनी, नारायण मूर्ति, शहनाज हुसैन, आदि का जिक्र किया। प्रो. दामोदर का कहना था कि प्रभावी उद्यमी बनने के लिए अपने-अपने उद्यम के जरिए वैल्यु एडीशन का प्रयास किया जाना चाहिए। उनका कहना था कि

वैश्विक स्तर पर एन्त्रोप्रोनियरशिप में कामयाबी के लिए सोच में बदलव जरूरी है। उनका मानना था कि उद्यमिता में प्रयोगधर्मिता प्रधान है। ऐसे में रिस्क टेकिंग ऐबीलिटी (जोखिम लेने की प्रवृत्ति) अहम होती है। सरकार को भी नव-उद्यमियों को प्रोत्साहन देने के लिए अनुकूल गवर्नेंस व्यवस्था बनानी होगी, ऐसा उनका कहना था, विशेष रूप से पर्यटन, कपड़ा उद्योग, खाद्य प्रसंस्करण, ससटेनेबल इनवायरमेंट, शिक्षा आदि क्षेत्रों में।

कार्यक्रम के प्रारंभ में निदेशक, इमसॉर तथा प्रबंध विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. एएस बूरा ने स्वागत भाषण दिया। आभार प्रदर्शन प्रो. कमलेश गक्खड़ ने किया। मंच संचालन प्राध्यापिका डा. दिव्या मल्हान तथा शोधार्थी शीबा काद्यान ने किया। इस अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का संयोजन प्राध्यापक डा. रामफूल ने किया। इस दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 9 तकनीकी सत्रों में समावेशी उद्यमिता तथा नवोन्मेष एवं स्टार्ट अप इंडिया के विभिन्न आयामों पर शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे।

मदवि के राधाकृष्णन सभागार में आयोजित इस संगोष्ठी कार्यक्रम में डीन, एकेडमिक एफेयर्स प्रो. एनआर गर्ग, रजिस्ट्रार जितेन्द्र भारद्वाज, इमसॉर के प्राध्यापकगण, मदवि के संकायों के डीन तथा शैक्षणिक विभागों के अध्यक्ष एवं प्राध्यापक, आईआईएम रोहतक के निदेशक प्रो. धीरज शर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष अजय बंसल, डेलीगेट्स, शोधार्थी-विद्यार्थी मौजूद रहे।

CHIEF GUEST
USA

MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY
WELCOMES
ISSUES AND CHALLENGES

MAHARSHI D
ANAND U
SOLANK
ARYANA
UNIVERSIT
FERENCE
HIP AND I
aker
ent, Wester
0:00 A.M.
orium, MDU,